

जागोरी रूरल चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना 2002 में काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश में हुई। 2003 में संस्था ने 12 लड़कियों के साथ काम शुरू किया और काँगड़ा और चंबा जिले के 250 से अधिक गाँवों तक पहुंचा जिससे करीब एक लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एक नारीवादी संस्था के रूप में यह जमीनी स्तर पर लैंगिक न्याय, समावेशी सतत विकास, महिला हिंसा की रोकथाम, युवा समूहों के नेतृत्व निर्माण व हाशिये पर रहने वाले समूहों के हक-अधिकार जैसे मुद्दों पर काम करती है। इन सभी समूहों में आत्मविश्वास व नेतृत्व निर्माण जागोरी का एक अहम उद्देश्य है।



जागोरी ग्रामीण

Supported by
**ROYAL
ENFIELD**

जागोरी रूरल चैरिटेबल ट्रस्ट
रक्कड़ रोड सिद्धबाड़ी, धर्मशाला
जिला काँगड़ा - 176215, हिमाचल प्रदेश
फ़ोन: +91-98165-79397
ईमेल: jagori@jagorirural.org
वेबसाइट: www.jagorirural.org

हिमाचल प्रदेश का जिला काँगड़ा अपनी भौगोलिक और प्राकृतिक विशेषताओं, जैसे खड़ी ढलानें, कमजोर मिट्टी और मौसमी नदियों के कारण भूकंप, तूफान, बाढ़ और भू-स्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। इसलिए हर घर और समुदाय के लिए तैयारी, सावधानी और तुरंत प्रतिक्रिया ज़रूरी है, ताकि जीवन और संपत्ति की हानि को कम किया जा सके। इस दिशा में स्थानीय प्रशासन और निवासियों का सहयोग महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से यह आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया मार्गदर्शिका तैयार की गई है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति आपदा के दौरान अपनाए जाने वाले सरल, प्रभावी और जीवन रक्षक उपायों को समझकर उनका उपयोग कर सके और जीवन को सुरक्षित कर सके।

आपातकालीन हेल्पलाइन

- समन्वित आपातकालीन (सर्व-उद्देश्य): 112
- पुलिस नियंत्रण कक्ष (काँगड़ा): 01892-224905
- पुलिस थाना, काँगड़ा: 01892-265022
- अग्निशमन आपातकाल: 101
- एम्बुलेंस / चिकित्सीय आपातकाल: 108
- सिविल अस्पताल, काँगड़ा: 01892-265054
- महिला हेल्पलाइन: 1091 / 181
- बाल हेल्पलाइन: 1098
- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, काँगड़ा: 1077, 01892229050 / 51 / 52 / 53



“आपदा”
अलर्ट और सुरक्षा
मार्गदर्शिका

भूस्खलन

यह एक प्राकृतिक आपदा है जो भूकंप, भारी बारिश, बाढ़ या मानव गतिविधियों जैसे पेड़ों की कटाई और सड़क निर्माण के कारण होती है। ढलान पर मौजूद मिट्टी, चट्टान, मलबा या रेत गुरुत्वाकर्षण के कारण नीचे की ओर खिसकने या गिरने लगते हैं। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे भी हो सकती है और अचानक विनाशकारी रूप भी ले सकती है।

- लगातार या भारी बारिश के दौरान सतर्क रहें, खासकर पहाड़ी या सड़क किनारे क्षेत्रों में।
- जमीन में दरार, असामान्य गति या गिरते मलबे की सूचना स्थानीय अधिकारियों को दें।
- भूस्खलन मलबे के ऊपर चलने या ड्राइविंग करने का प्रयास न करें, यह और भूस्खलन कर सकता है।
- प्राकृतिक जल निकासी को मलबा या निर्माण सामग्री से ब्लॉक न करें।
- यदि सुरक्षित स्थान पर पहुँचने में समय लगे, तो ऊँचाई वाली जगहों पर अस्थायी आश्रय लें।



बाढ़

बाढ़ वह स्थिति है जब अत्यधिक वर्षा, बादल फटना, जल निकासी में रुकावट या नदियों में उफ़ान आ जाने के कारण पानी अपने सामान्य स्तर से बढ़कर आसपास के क्षेत्रों में फैल जाता है। इससे जन-जीवन, फसल, पशुधन, सड़कों और घरों को भारी नुकसान पहुँच सकता है।



- मौसम अपडेट के लिए रेडियो/टीवी/आधिकारिक ऐप्स सुनें/देखें।
- पीने का पानी, सूखा भोजन और आवश्यक दवाइयाँ जलरोधक बैग में रखें।
- बाढ़ के पानी में बिना सुरक्षात्मक जूते या सुरक्षा उपकरण के न चलें।
- अफवाहों पर विश्वास न करें, हमेशा स्थानीय अधिकारियों से पुष्टि करें।
- पानी में चलते समय सहारा पाने के लिए रस्सी, डंडी या अस्थायी बोट का उपयोग करें।
- रोगों के फैलाव से बचने के लिए सुरक्षित और साफ शौचालय का उपयोग करें।



भूकंप (उच्च संवेदनशीलता - क्षेत्र 5)

भूकंप एक अचानक होने वाली प्राकृतिक घटना है, जिसमें जमीन और उस पर बनी संरचनाएँ तेज़ी से हिलने लगती हैं। यह तब आता है जब पृथ्वी के दो खंड अचानक एक-दूसरे से खिसक जाते हैं। कांगड़ा भूकंपीय क्षेत्र-5 के स्तर पर है, जो बड़े झटकों के लिए अत्यधिक संवेदनशील माना जाता है।

- हिलने पर शांत रहें और तुरंत “ड्रॉप, कवर और होल्ड” करें। खिड़कियों, कांच, भारी फर्नीचर और विद्युत फिटिंग से दूर रहें।
- पानी, भोजन, टॉर्च और दवाइयाँ रखकर आपातकालीन किट तैयार रखें।
- भूकंप आते ही तुरंत बाहर भागें, गिरता मलबा खतरनाक हो सकता है।
- अस्थिर भवनों या संरचनाओं के पास न जाएँ जब तक उन्हें सुरक्षित घोषित न किया जाए।
- हिलना बंद होने के बाद चोट और संरचनात्मक नुकसान की सावधानीपूर्वक जाँच करें।
- स्कूल और कार्यस्थलों में नियमित भूकंप अभ्यास में भाग लें।